10

चाँद

2LTZH3

गर्मियों की रात थी। साबिर और सना अपने अब्बू और अम्मी के साथ छत पर बैठे थे। आकाश में चाँद दिखा। गोल–गोल थाली जैसा। साबिर बहुत खुश हुआ।

उसने सना से कहा, "देखो दीदी, चाँद कैसे चमक रहा है ! वहाँ कौन रहता होगा ?"

सना बोली, "अभी तक चाँद पर जीने के लिए जरूरी हवा, पानी, भोजन आदि नहीं मिल पाए हैं। इसलिए वहाँ कोई नहीं रहता। हो सकता है, कल यह संभव हो।"

साबिर ने अम्मी से कहा, "चाँद के बारे में कुछ और बताइए न।"

अम्मी बोलीं, "चाँद हमारी धरती के चारों ओर चक्कर लगाता है। धरती से कुछ लोग रॉकेट में बैठकर चाँद पर गए। वहाँ पहुँचकर वे खुशी से कूदे तो बहुत ऊँचे उछल गए। चाँद पर बड़ी–बड़ी चट्टानें और गड्ढे हैं। वे लोग वहाँ से मिट्टी और चट्टानों के नमूने धरती पर लेकर आए।"

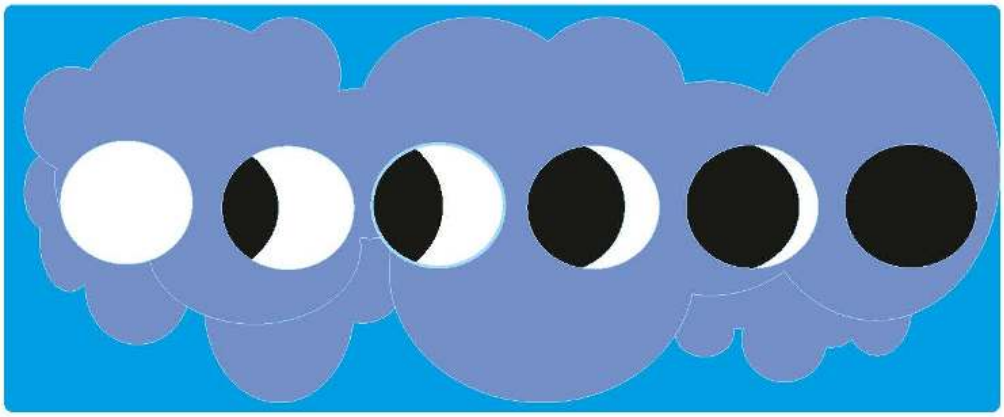

साबिर ने पूछा, "चाँद पर इतनी चमक कहाँ से आती है ?"

अब्बू ने बताया, "चाँद को सूरज से प्रकाश मिलता है। हमारी धरती को भी सूरज से प्रकाश मिलता है।"

"सूरज को रोशनी कौन देता है?" साबिर ने फिर पूछा।

"सूरज एक तारा है। तारों की अपनी रोशनी होती है। आसमान में ये जो तारे टिमटिमा रहे हैं, वे सब हमारे सूरज की तरह हैं। उनमें कुछ तो सूरज से भी बड़े हैं। ये हमसे बहुत दूर हैं इसलिए छोटे–छोटे दिखाई देते हैं" अब्बू ने बताया।

अम्मी ने कहा, "अगले महीने ईद है। तब तुम्हें चाँद की कहानियाँ सुनाएँगे।"

अभ्यास

1. उत्तर दो –

   क. चाँद पर कोई क्यों नहीं रहता है?

   ख. हमारी धरती और चाँद को प्रकाश कहाँ से मिलता है?

2. रात में जब चाँद निकले तो उसे ध्यान से देखो। अपनी किताब में चिह्न लगाओ कि वह किस चित्र जैसा दिखाई देता है।

3. बताओ –

   क. शाम होने पर चिड़ियाँ क्या करती हैं? तुम क्या करते हो ?

   ख. यदि सूरज न हो तो क्या–क्या नहीं होगा ?

4. बोलकर लिखो –

चाँद	.....	रंग	.....
माँ	.....	मंजन	.....
गाँव	.....	ठंडा	.....

5. जानो–

चाँद	–	चंद्रमा	धरती	–	पृथ्वी
सूरज	–	सूर्य	आकाश	–	अम्बर

6. चाँद पर कोई कविता कक्षा में सुनाओ।